माही बीज ने सेवक सु कठे कठे पधारीया आई माताजी भजन

माही बीज ने सेवक,
सु कठे कठे पधारीया,
बेंगलुरु में बडेर,
दर्शन किना ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी।bd।

आई अनुयायी माता ज्योता जगावे,
आई अनुयायी माता ज्योता जगावे,
आरतीया मे ढोल नगाडा,
बाजे ओ माताजी,
आरतीया मे ढोल नगाडा,
बाजे ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी।bd।

घर तो भीकाजी रे आप माँ पधारीया,
घर तो भीकाजी रे आप माँ पधारीया,
भगतो रा भाग थे,
जगाया ओ माताजी,
भगतो रा भाग थे,
जगाया ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी।bd।

आई वाटिका घणी फुटरी आ लागे,
आई वाटिका घणी फुटरी आ लागे,
बेंगलुरु में चौदस खुशीयां,
छाई ओ माताजी,
बेंगलुरु में चौदस खुशीयां,
छाई ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

‘लखन चौधरी’ माँ दास कहिजे थारो,
लखन चौधरी माता दास कहिजे थारो,
किशोर सुमन थारा कीर्तन,
एतो गावे ओ माताजी,
किशोर सुमन थारा हरिगुन,
गावे ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी।bd।

माही बीज ने सेवक,
सु कठे कठे पधारीया,
बेंगलुरु में बडेर,
दर्शन किना ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी,
भगत थारा घणा,
हर्षाया ओ माताजी।bd।

लेखक – लखन चौधरी।
गायक – श्याम पालीवाल जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com